an>

Title: Need to provide adequate relief and assistance to farmers who lost their crops due to hailstorms, heavy and unseasonal rains and drought in different parts of the country.

श्री रत्न लाल कटारिया (अम्बाला) ः हमारे देश में प्राकृतिक प्रकोप के रूप में कई विपदाएंÃ¬ आती हैं। कभी देश को अधिक वर्षा के कारण बाढ़ का सामना करना पड़ता है तो कभी वर्षा न होने के कारण सूखा पड़ जाता है। इन दोनों परिस्थितियों में भारत का किसान अपने आपको आहत महसूस करता है, उसकी फसल डूब जाने या सूख जाने के कारण उसे आर्थिक दिवालियेपन का सामना करना पड़ता है। कई बार तो वह इतना हताश व निराश होता है कि आत्महत्या कर लेता है। पिछले दो वर्ष में भारतवर्ष में कई जगह तो बाढ़ ने प्रकोप ढाया है तो देश के दस राज्यों में भयंकर सूखा पड़ने के कारण किसानों के सामने अपने अस्तित्व का प्रश्न खड़ा हो गया है। यद्यपि आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने किसानों के लिए एक बहुत ही बेहतरीन फसल बीमा योजना शुरू की है। इन परिस्थितियों में मैं यह मांग करता हूं कि माननीय मंत्री जी देश में पिछले दो वर्षों में पड़े ओले, अतिवृष्टि व बेमौसम बारिश व आज सूखे की स्थिति पर संसद में वक्तव्य दें व किसानों को राहत प्रदान करने के लिए विभिन्न कदम उठाएं।